Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

CVK-01

कर्मकाण्ड एंव पंचांग कर्म परिचय

वैदिक कर्मकाण्ड में प्रमाण पत्र (सी0वी0के0–16 / 17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. पंचलोकपाल का पूजन विधि लिखिये।

P.T.O.

Q.2. तिथि एंव वार का परिचय देते हुए उसके शुभाशुभ प्रभावों का वर्णन कीजिये।।

Q.3. पुराणों का विस्तृत उल्लेख कीजिये।

Q.4. पूजन से क्या तात्पर्य है? सविधि लेखन कीजिये।

Q.5. वर्तमान में कर्मकाण्ड की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिये।
अथवा
सन्ध्या कर्म क्या है, प्रकाश डालिए।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. पंचमहायज्ञ का परिचय दीजिये।

Q.2. नक्षत्र से आप क्या समझते है? इसके शुभाशुभ प्रभावों का वर्णन कीजिये।

Q.3. पुण्याहवाचन विधान का उल्लेख कीजिये।

Q.4. ऋग्वेद एंव सामवेद पर टिप्पणी लिखिये।

Q.5. वर्तमान समाज में कर्मकाण्ड की क्या आवश्यकता है? सोदाहरण लिखिये।

Q.6. नवग्रह पूजन का वर्णन कीजिये

अथवा

क्षेत्रपाल एंव दि्क्पाल पूजन विधि लिखिए।

Q.7. प्रातः देवस्मरण कैसे किया जाता है? समझाते हुए लिखिये।

Q.8. कर्मकाण्ड से आप क्या समझते है? अपने शब्दों में लिखिये।

अथवा

कलश स्थापन एंव पूजन विधि को लिखिए।

****